

भारत सरकार  
शिक्षा मंत्रालय  
उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा  
अतारांकित प्रश्न संख्या-3926  
उत्तर देने की तारीख-18/08/2025

स्वास्थ्य परिचर्या और कृषि क्षेत्रों में उत्कृष्टता केंद्र

†3926. श्री बी. के. पार्थसारथी:

श्री बस्तीपति नागराजूः

श्री लालू श्रीकृष्णा देवरायालूः

क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) स्वास्थ्य परिचर्या, कृषि और सतत प्रथाओं के क्षेत्र में नगरों में सरकार द्वारा चुने गए तीन एआई उत्कृष्टता केंद्रों (सीओई) के नाम क्या हैं;  
(ख) इनमें से प्रत्येक उत्कृष्टता केंद्र के लिए कितनी धनराशि आवंटित, जारी और उपयोग की गई है;  
(ग) इन उत्कृष्टता केंद्रों द्वारा क्या पहल की गई है/की जाने वाली है तथा उनका प्रभाव और परिणाम क्या है; और  
(घ) क्या ये उत्कृष्टता केंद्र कार्यान्वित की जा रही परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए अन्य संस्थानों के साथ सहयोग कर सकते हैं; और  
(ङ.) यदि हाँ, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री

(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) से (ङ.): सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 बनाई है जिसका उद्देश्य उच्चतर शिक्षा में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना है। इसमें उच्चतर शिक्षा संस्थाओं की कृत्रिम बुद्धिमत्ता सहित विभाजक प्रौद्योगिकियों पर अनुसंधान करने में सक्रिय भूमिका की परिकल्पना की गई है ताकि स्वास्थ्य परिचर्या और कृषि जैसे क्षेत्रों में चुनौतियों का समाधान करने वाले अनुप्रयोग-आधारित अनुसंधान को लागू किया जा सके।

इस घटकोण के अनुरूप, भारत सरकार ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) में तीन उत्कृष्टता केंद्र (सीओई); स्वास्थ्य परिचर्या, दीर्घकालिक शहर और कृषि के क्षेत्रों में एक-एक स्थापित किए

हैं। इन एआई-सीओई का नेतृत्व देश के प्रमुख संस्थान जैसे आईआईटी कानपुर, आईआईटी रोपड़ और आईआईएससी बैंगलोर करते हैं। तीनों एआई-सीओई का कुल बजट परिव्यय 990 करोड़ रुपये है।

प्रत्येक एआई-सीओई उद्योग भागीदारों और स्टार्टअप आदि के साथ-साथ अग्रणी शैक्षणिक, अनुसंधान संस्थानों का एक संघ है। एआई-सीओई प्रमुख संस्थान और अन्य शैक्षणिक संस्थानों जैसेकि एम्स दिल्ली और पटना, दिल्ली, मद्रास, बॉम्बे, गुवाहाटी, हैदराबाद और गांधीनगर स्थित आईआईटी; कालीकट, मेघालय और हमीरपुर स्थित एनआईटी; आईआईआईटी हैदराबाद; आदि के बीच एक सहयोगात्मक प्रयास का प्रतिनिधित्व करते हैं।

इन उत्कृष्टता केंद्रों ने अपने क्षेत्रीय प्राथमिकता के अनुरूप कार्यनीतिक पहल की हैं। अन्नम फाउंडेशन की स्थापना की गई है जिसका उद्देश्य फसल निगरानी, रोगों का पता लगाने आदि जैसी प्रौद्योगिकियों के माध्यम से कृषि उत्पादकता बढ़ाने हेतु एआई का उपयोग करना है। स्वास्थ्य परिचर्या क्षेत्र में, मुख और स्तन कैंसर, रेटिना संबंधी रोग और मधुमेह जैसी विभिन्न पुरानी बीमारियों का पता लगाने के लिए एआई उपकरण विकसित करने हेतु परियोजनाएँ शुरू की गई हैं। दीर्घकालिक शहरों के लिए एयरवट अनुसंधान फाउंडेशन एआई-चालित ऊर्जा संबंधी पूर्वानुमान, स्वदेशी वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली आदि प्रदान करता है।

\*\*\*\*\*